

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून से शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ, 14 मई (भाषा)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि नोएडा के जेवर स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान सेवाएं आगामी 15 जून से शुरू हो जाएंगी। आदित्यनाथ ने कहा कि हवाई अड्डे की यह परियोजना उस क्षेत्र के बदलाव को दर्शाती है, जो कभी अपराध के लिए जाना जाता था।

‘उत्तर प्रदेश के बदलाव के नौ वर्ष’ विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर क्षेत्र, जो कभी अपराध के लिए बदनाम था, अब एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का सबसे बड़ा हवाई अड्डा जेवर में बन चुका है और 15 जून से हम वहां से उड़ान सेवाएं शुरू करने जा रहे हैं। विमानन कंपनी इंडिगो और अकासा एयर ने हाल ही में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 में अपनी सरकार के सत्ता में आने से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति को बहुत खराब बताते हुए आरोप लगाया कि राज्य ‘बीमारू’ बन गया था और सूबे में दंगे, अराजकता, व्यापारियों का पलायन, किसानों की आत्महत्या और पारंपरिक उद्योगों का पतन आम बात थी।

उन्होंने कहा कि सरकार की कार्यप्रणाली में न कोई पारदर्शिता थी, न कोई नीति और न ही कोई इरादा। माफिया सरकार के समानांतर अपना राज चलाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की



संकट से निपटने के लिए निभानी होगी सामूहिक जिम्मेदारी : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उत्पन्न वैश्विक संकट से निपटने के लिए जनता से एकजुट होने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि इस चुनौती से पार पाने के लिए सभी को सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी। मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिस तरह कोविड-19 महामारी के दौरान देशवासियों ने एकजुट होकर संकट का सामना किया था, उसी प्रकार पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के बीच भी सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

सरकार बनने के बाद प्रशासन ने विस्तृत योजना एवं शासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया।